शक्ति के स्त्रोतों पर

पहला हक

आधी आबादी का

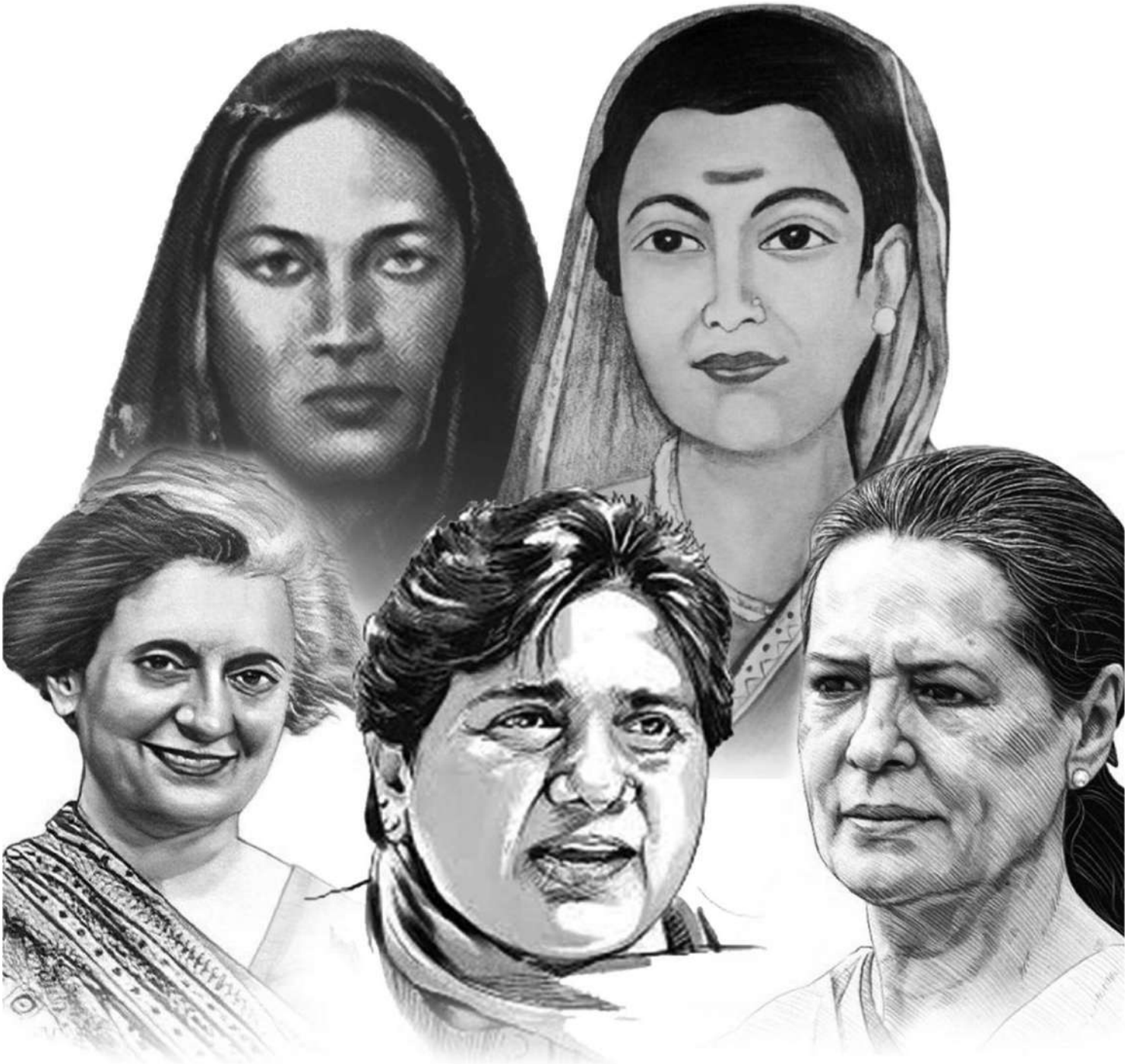

एच.एल. दुसाध

शक्ति के स्त्रोतों में पहला हक
आधी आबादी का

शक्ति के स्त्रोतों में पहला हक आधी आबादी का

एच.एल. दुसाध

सह-लेखक
कैप्टन अजय सिंह यादव

डाइवर्सिटी फॉर इक्वालिटी ट्रस्ट
लखनऊ

प्रथम संस्करण : 2025

प्रकाशक : **डाइवर्सिटी फॉर इक्वालिटी ट्रस्ट**
डाइवर्सिटी हाउस, 2/1467,
आदिल नगर, कल्याणपुर, लखनऊ-226022
E-mail : hl.dusadh@gmail.com
मो. : 9654816191

© **डाइवर्सिटी फॉर इक्वालिटी ट्रस्ट**

मूल्य : ₹2000/-

रचना : शक्ति के स्रोतों में पहला हक आधी आबादी का
लेखक : एच. एल. दुसाध
शब्दांकन : कम्प्यूटेक सिस्टम, शाहदरा, दिल्ली-32
आवरण : कम्प्यूटेक सिस्टम, शाहदरा, दिल्ली-32
मुद्रक : क्विक ऑफसेट, दिल्ली-110094

समर्पण

उन सभी लैंगिक समानताकामी
उन तमाम शक्तियों को जो भारत की आधी आबादी को
257 के बजाय 57 सालों में पुरुषों के
बराबरी में लाने के लिए प्रयासरत हैं!

अनुक्रम

लेखकीय *xxxiii*

महिला सशक्तिकरण में बाधक : शक्ति के केन्द्रों में लैंगिक विविधता की अनदेखी की संपादकीय **1**

भारत में स्त्री आंदोलन का एजेंडा—4, स्त्री सशक्तिकरण के लिए जरूरी है आर्थिक स्वावलम्बन—5, स्त्री को अपने महत्त्वपूर्ण होने आभास कराता है : आर्थिक सशक्तिकरण—7, नारीवादी आंदोलनों में आर्थिक सशक्तिकरण की उपेक्षा के पीछे—7, विधानमंडलों में आरक्षण की मांग के पीछे : नारीवादिनों का अभीष्ट—8, महिला आरक्षण में सामाजिक विविधत्ता की उपेक्षा—10, महिला आरक्षण में क्रीमीलेयर की अनदेखी—11, राजनीतिक आरक्षण महिला सशक्तिकरण के लिए अपर्याप्त—12, स्त्री-सशक्तिकरण का सर्वोत्तम औजार : डाइवर्सिटी—13, संदर्भ—16

भारत की विश्व सुंदरियां और भूमंडलीकरण का अर्थशास्त्र **17**

भारत बन गया है : विश्व सुन्दरी नामक उत्पाद का सबसे बड़ा सप्लायर—17, इतिहास में भारतीय रूपसियां—18, भूरि-भूरि विश्व सुंदरियों के उदय के पृष्ठ में नरसिंह राव की आर्थिक नीतियां—19, विलासिता की वस्तुओं के उपभोग के लिए : अयोग्यों को भी बनाया जा रहा है विश्व सुंदरी—20, विश्व सुंदरी बनने के अनुकूल आर्थिक हालात से शून्य : दलित नारियां—21 दलित समस्याओं से उदासीन : भारत की विश्व सुंदरियां—22

मायावती को अपनाए बिना मुश्किल है नारी-मुक्ति **23**

विभिन्न क्षेत्रों में खुद को प्रमाणित करती : भारत की आधी आबादी—23, स्त्री-शक्ति के बढ़ते कदम—24, समाज शास्त्रीय अध्ययन की मांग करता है : मायावती के प्रति प्रगतिशील महिलाओं में तिरस्कार का भाव—25, मायावती भारतीय नारी के संघर्ष की महागाथा—25, इस कारण मायावती नहीं हो सकतीं : प्रगतिशील

महिलाओं का मॉडल–26
नारी और दलित एक नहीं **28**
बहुत कुछ प्रमाणित कर गया : मंडल-2–28, दलित और महिलाओं में साम्यता!–28, मंडल विरोध में सबसे आगे : सवर्ण महिलाएं–29
महिला आरक्षण में बाधक कौन? **31**
निशाने पर यादव त्रयी–31, विधेयक की राह का सबसे बड़ा रोड़ा–32, अमेरिका ने कायम किया विविधता में एकता की उज्ज्वल मिसाल–33, आरक्षण विरोधियों द्वारा महिला आरक्षण के समर्थन का कारण–34
लैंगिक असमानता से बेखबर राष्ट्र **35**
चुनावी पर्व में अपना एजेंडा आगे बढ़ाते सामाजिक संगठन–35, चुनाव मौसम में महिलाओं के मुद्दे–35, आर्थिक स्वावलम्बन से उदासीन नारीवादी संगठन–37, लोकसभा चुनाव में आधी आबादी के मुद्दे–38, ग्लोबल जेंडर गैप की रिपोर्ट पर गंभीर नहीं : हमारे राजनीतिक दल–39, आधी आबादी के अबलापन के लिए जिम्मेदार : वर्ण व्यवस्था–40, स्त्री सशक्तिकरण के लिए सर्वव्यापी आरक्षण की जरूरत–40, आधी अबादी के मुकम्मल सशक्तिकरण के लिए : बीडीएम का एजेंडा–41
महिला सशक्तिकरण के लिए राजनीतिक आरक्षण से आगे सोचने की जरूरत **43**
पंचायतों और शहरी निकायों में हुआ 50% आरक्षण–43, महिला आरक्षण का हुआ स्वागत–44, आरक्षण के बिना मुमकिन ही नहीं : महिला आरक्षण–44, राजनीति में 50% आरक्षण मिलने से भी अधूरा रहेगा : महिला सशक्तिकरण–45
लोकपाल समिति में सामाजिक व लैंगिक विविधता की जरूरत **47**
लोकपाल विधेयक मसविदा समिति में सामाजिक प्रतिनिधित्व पर सवाल–47, मायावती की मांग पर सवाल–47, मसविदा समिति में दलित प्रतिनिधित्व पर नाराज : टीम अन्ना!–49, लोकपाल मसविदा समिति में नहीं है : सामाजिक और लैंगिक विविधता की गुंजाइश–50, मसविदा समिति में जरूरी था : आधी आबादी का प्रतिनिधित्व–51

सामाजिक और लैंगिक विविधता का चिंतन **53**
नौकरशाही में नहीं है आधी आबादी का वाजिब प्रतिनिधित्व–53, शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता की जरूरत–54,

विविधता को सम्मान देने में पीछे : भारत का शासक वर्ग—55, इस्लाम : लैंगिक समानता के लिए अब भी चुनौती—56, महिला विकास के मोर्चे पर नीचले पायदान पर भारत—56, महिला शक्ति को भीम सलाम—57

डाइवर्सिटी को मुद्दा बनाने की जरुरत **58**

सत्यमेव जयते का प्रभाव रामायण-महाभारत से भी ज्यादा—58, फिल्म वालों की समाजसेवा—58, आमिर खान उठायें : डाइवर्सिटी का मुद्दा—59, डाइवर्सिटी का मुद्दा उठाने से : महिला सशक्तिकरण में आ सकता है उछाल—60

एक ऐतिहासिक प्रायश्चित की जरूरत **61**

दिल्ली गैंग रेप के जरिये केन्द्र में आई : नारी समस्या—61, वर्ण-व्यवस्था में सवर्ण महिलाएं भी रहीं वंचित—62, महिलाओं के शक्तिहीन होने के पीछे : ऐतिहासिक कारण—62, वर्ण व्यवस्था के अर्थशास्त्र को अक्षत रखते के लिए : आधी आबादी का हुआ निर्मम इस्तेमाल—63

साहित्य अकादमी में विविधता की जरूरत **64**

साहित्य में आरक्षण!—64, साहित्य अकादमी के पुरस्कारों में विलुप्त : दलित और महिलाएं—64, साहित्य अकादमी का इतिहास—65, प्रजातन्त्रीकरण से कोसों दूर : साहित्य अकादमी—65, साहित्य अकादमी में दलित और महिलाओं को ऐसे मिल सकती है हिस्सेदारी—66

संवैधानिक संस्थाओं में सामाजिक और लैंगिक विविधता की जरूरत **68**

कैग का दुर्भाग्य—68, श्रेणी समाज के तानाशाहों का गुण—69, संवैधानिक संस्थाओं को बहुसदस्यीय बनाना काफी नहीं—70

विविधताओं की उपेक्षा का दुष्परिणाम **71**

मानव जाति के लिए जैव विविधता की अहमियत—71, गैर-जैव विविधता के मोर्चे पर उदासीनता—71, भारत की विविधता में एकता : एक भ्रान्त धारणा—72, क्षेत्रीय-सामाजिक और लैंगिक विविधता की अनदेखी का दुष्परिणाम—72, सामाजिक और लैंगिक विविधता लागू करवाने के लिए पर्यावरणवादियों से प्रेरणा लेना जरूरी—73

दलित उद्यमिता को पद्म सम्मान **74**

पद्म पुरस्कारों को लेकर विवाद—74, पद्म पुरस्कार से सम्मानित मेरे दो नायक : राजेश खन्ना और राहुल द्रविड़—75, सुखद आश्चर्य

में डाले : मिलिन्द कांबले और कल्पना सरोज–76
भारतीय आन्दोलनों में गायब : मानव जाति का सबसे बड़ा मुद्दा **77**
सामाजिक और आर्थिक विषमता के एकसूत्रीय एजेंडे पर नहीं खड़े होते : आंदोलन–78, आंबेडकरी आंदोलनों पर हावी : अमूर्त मुद्दे–78
शिक्षण संस्थानों में डाइवर्सिटी की जरूरत **80**
लोकसभा चुनाव-2014 के मुद्दे और डाइवर्सिटी **81**
भीषणतम विषमता से देश बंटा : 'अतुल्य और बहुजन' भारत में–81, भीषणतम आर्थिक और सामाजिक गैर-बराबरी से मिली : लोकतंत्र को चुनौती–81, बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर की चेतावनी–82, हमारे महान राजनेता : लोकतंत्र-प्रेमी या लोकतंत्र-विरोधी!–82, आर्थिक-सामाजिक विषमता की उत्पत्ति के पीछे : सामाजिक और लैंगिक विविधता की अनदेखी–83, आजाद भारत को अपने शासकों से विविधता के सम्मान की प्रत्याशा थी–84, भारत में सामाजिक और लैंगिक विविधता का प्रतीकात्मक प्रतिबिम्बन–84, वोट खरीदने के लिए राहत और भीखनुमा घोषणाओं पर निर्भर हमारे राजनीतिक दल–85, भीखनुमा घोषणाओं के चलते मुद्दाविहीन रहा 15वीं लोकसभा चुनाव–85, 15वीं लोकसभा की राह पर 16वीं लोकसभा चुनाव–86
लोकसभा चुनाव-2014 और आधी आबादी का मुद्दा **87**
घिसे-पिटे मुद्दे उठाकर आधी आबादी के वोट लेने का उपक्रम–87, आधी आबादी की वर्तमान दशा–88, अगर आर्थिक और सामाजिक विषमता के खात्मे का सही प्रयास होता : भिन्न स्थिति होती आधी आबादी की–89
लोकसभा चुनाव : मुद्दा सामाजिक और लैंगिक विविधता का **90**
भीषण असमानता के दौर में : लोकसभा चुनाव–90, डॉ. आंबेडकर की चेतावनी की अनदेखी से उपजे हैं ये हालात–90, हमारे राष्ट्र नायकों की चूक–91, सामाजिक और लैंगिक विविधता का सुफल–92
विविधता विरोधी मोदीफेस्टो **94**
देर से आया : भाजपा का घोषणापत्र–94, 2009 के घोषणापत्र में डाइवर्सिटी को जगह–94, भाजपा की संगी लोजपा ने किया था डाइवर्सिटी का समर्थन–96, विविधता को सम्मान देना मोदी की फितरत में नहीं–96, सही निकली दलित बुद्धिजीवियों की आशंका–96, घोषणापत्र में विविधता की उपेक्षा के लिए जिम्मेदार

कौन!–97, मोदी को लेकर बुद्धिजीवियों की राय–98, विविधता विरोधी के हाथ में जाता देश–99

भारत में भ्रष्टाचार और जातिप्रथा **100**

केजरीवाल का जादू–100, जाति-प्रथा से जुड़े हैं : भ्रष्टाचार के तार–100, धन-तृष्णा की मात्रा में फर्क के पीछे : जाति–101, घोटालों की पीछे दैविय-अधिकार की भावना–102, आधी आबादी की वाजिब हिस्सेदारी से : भ्रष्टाचार में आ सकती है भारी कमी–102

महिला अधिकार और केजरीवाल **104**

एनजीओ गैंग के बौद्धिक सलाहकारों से दस सवाल **106**

केन्द्र की सत्ता पर काबिज होने का सपना देखने लगा है : एनजीओ गैंग–106, एनजीऔ गैंग के बुद्धिजीवियों से : दस सवाल–106, भ्रष्टाचार : पिद्दी समान मुद्दा–108

एनजीओ गैंग की काट : डाइवर्सिटी **110**

एनजीओ गैंग की नजरों में भ्रष्टाचारी : नेता और कर्मचारी–110, आप को छोड़कर : सभी दल भ्रष्टाचारी–110, भारतीय राज्य है निशाने पर–111, एनजीओ गैंग को भारतीय राजनीति पर प्रभावी होने से रोका जाना चाहिए–111, डाइवर्सिटी की बहस चलाकर रोका जा सकता है : एनजीओ गैंग को–112

लोकपाल के साथ जरुरी है डाइवर्सिटी **114**

लोकपाल नहीं जोकपाल–114, लोकपाल विधेयक पास कराने की मची होड़–114, धन-तृष्णा से जुड़े कारकों की हो रही है अनदेखी–115

भगाणा बलात्कार कांड : मीडिया के विवेक के समक्ष चुनौती **117**

दिल्ली की निर्भया के बाद : अब भगाणा बलात्कार काण्ड–117, सवालों के दायरे में : मीडिया की भूमिका–118

दलित उत्पीड़न का कैसे हो प्रतिकार! **120**

फिर दलित-उत्पीड़न–120, दलित-उत्पीड़न पर रुटीन प्रतिक्रिया–121, प्रतिकार का प्रश्न–121, दलित क्यों बने अशक्त–122, दिलाना होगा शक्ति के स्रोतों में मुकम्मल हिस्सेदारी–122

दिल्ली बनाम भगाणा गैंग रेप कांड **124**

बलात्कार पर उद्वेलित : दिल्ली–124, यौन कुंठा से ग्रसित : हिन्दी पट्टी–125, भगाणा काण्डों के पीछे की सोच : दलितों को उनकी औकात बताना–125, दिल्ली रेप कांड के मुकाबले : भगाणा ज्यादा गंभीर–126

लैंगिग विवधता की जरूरत 127
महिला सशक्तिकरण के बिना : देश नहीं बन सकता महाशक्ति—127, महिलाओं की समस्या जहां की तहां—128, जरूरी है आधी आबादी को : हर क्षेत्र में आधी हिस्सेदारी—128
सामाजिक विविधतारहित महिला आरक्षण : हिन्दुओं की कायराना जहीन का उत्पाद 130
बाध्य होकर करनी पड़ती है : हिन्दुओं के खिलाफ कठोर टिप्पणी—130, राष्ट्रपति के अभिभाषण का स्वागत—131, महिला आरक्षण के पीछे का लक्ष्य—131
डाइवर्सिटी क्रांति की जरुरत 133
दुनिया की सबसे बड़ी समस्या—133, असमानता के पीछे—134, असमान की सृष्टि के उपाय—134, विविधता का प्रतीकात्मक प्रतिबिम्बन—135, समानता के लिए बनाना होगा : शासक दलें पर दबाव—136
चुनावी मौसम में डाइवर्सिटी को मुद्दा बनाने की जरुरत 137
आज की सबसे बड़ी समस्या—137, विषमता से उदासीन : शासक वर्ग—137, विषमता का कॉमन कारण : सामाजिक और लैंगिक विविधता का असमान प्रतिबिम्बन—138, पांच राज्यों के चुनाव में : डायवर्सिटी बने बड़ा मुद्दा—140
विमर्श की धारा डाइवर्सिटी की ओर मोड़ दो! 141
लैंगिक विविधता से निर्लिप्त : हमारे राजनीतिक दल 142
न्यायपालिका में ओबीसी, एससी/एसटी और महिलाओं की न्यूनतम उपस्थिति का एकमेव इलाज : लोयर से सुप्रीम कोर्ट में सामाजिक और लैंगिक विवधता का प्रतिम्बिन! 144
क्या जौहर की गौरवमयी प्रथा के दिन फिरेंगे! 145
मुश्किल में पद्मावत के निर्माता—145, जौहर के इतिहास में जुड़ सकते हैं : कुछ नये पन्ने—146, सतियों की गौरव गाथा—147
दलित आन्दोलन को आर्थिक कष्टों के निवारण पर केन्द्रित करतीं : फायर ब्रांड दो बहुजन कन्यायें! 148
पहली बार भीम आर्मी के बीच—148, उद्योग-व्यापार में हिस्सेदारी की आवाज उठाती : निर्देश सिंह—149, हिन्दी पट्टी की तीन फायर ब्रांड कन्यायें—150, आर्थिक कष्टों के निवारण के मोर्चे पर विफल : दलित आंदोलनकारी—151
मंदिरों में आरक्षण जगनमोहन रेड्डी सरकार ने मंदिरों में महिलाओं

के लिए 50 फीसदी आरक्षण लागू किया 152
शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता के प्रतिबिम्बन की जरूरत! 153
बहुजन राजनीति की सबसे बड़ी समस्या है : योग्य नेतृत्व का अभाव!–153, निराशा के दौर में उम्मीद की किरण–153, जिला पंचायत के सीटों के बंटवारे में : लागू हुई डाइवर्सिटी–154, समतामूलक समाज निर्माण का अर्थ!–155, विषमता की सृष्टि का मूल कारण : शक्ति के स्रोतों का अन्यायपूर्ण बंटवारा–155, तैयार की जा सकती है : मोदी सरकार के रुखसती की जमीन–156
कोरोना और ग्लोबल वार्मिंग से भी बड़ी समस्या है : आर्थिक और सामाजिक विषमता! 158
सबसे बड़ी समस्या : आर्थिक और सामाजिक विषमता–159, आर्थिक और सामाजिक विषमता की सृष्टि का कारण : शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता का असमान प्रतिबिम्बन!–159, समताकामियों द्वारा धार्मिक-शक्ति की उपेक्षा–159, सामाजिक-आर्थिक विषमता के खात्मे के लिए : शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता का प्रतिबिम्बन–160, शक्ति के असमान बंटवारे से पैदा हुआ : क्रांतियों का सैलाब–161, शक्ति-वितरण के लिए : लोकतांत्रिक व्यवस्था–161 विविधता नीति के सहारे विषमता के खात्मे का सर्वोत्तम मॉडल : दक्षिण अफ्रीका–162, भारत के शासकों ने किया : विविधता के प्रतिबिम्बन से परहेज!–162, सामाजिक और लैंगिक विविधता की सबसे सामाजिक बड़ी दुश्मन : वर्ण-व्यवस्था! –163, अतीत और वर्तमान के शासक दल में फर्क!–164, हिन्दू राष्ट्र के खतरे!–165 बनानी होगी विविधता लागू करवाने की रणनीति–165
ज्योति पासवान का कारनामा : राष्ट्रीय गर्व या शर्म का विषय! 167
ज्योति पासवान ने रचा : पितृ-प्रेम का अनुपम महाकाव्य–167, कोरोना काल में फिर सवाल उठा : हिन्दी पट्टी की बदहाली के जिम्मेवार कौन!–168, बदहाली के जिम्मेवार : सवर्ण–168, तो इसलिए सवर्णों ने हिन्दी पट्टी के विकास में रुचि नहीं लिया–169, हिन्दी पट्टी बीमा : अंचल में तब्दील होने के लिए क्यों हुई अभिशप्त–170, राज ठाकरों को मिल गया : प्रान्तवाद का खेल खेलने का अवसर–170
कैसे खड़ा हो डाइवर्सिटी पर जनांदोलन! 172

आरक्षण पर संघर्ष के बहुजन नायक—172, आरक्षण पर संघर्ष के गर्भ से निकली : सर्वव्यापी आरक्षण वाली डाइवर्सिटी—173, बीडीएम का एजेंडा—174, बीडीएम की सीमाबद्धता—174

बीडीएम के एजेंडे का पार्ट है : सेना के अधिकारियों में महिलाओं का आरक्षण 175

सुविधाभोगी वर्ग के नाचने-गाने वालियों का आरक्षण विरोध नया नहीं है! 176

मेरा मन कहता है सुशांत केस में राजा राममोहन राय- बंकिम-विवेकानंद की बच्ची निर्दोष बनकर उभरेगी! 177

2050 तक भारत हो सकता है : डाइवर्सिटीमय! 179

कमला हैरिस के उपराष्ट्रपति बनने पर दुसाध की त्वरित प्रतिक्रिया! 180

अमेरिका में डाइवर्सिटि से फहराया : हिंदू मेरिट का परचम!—180

हाँ, मैंने इंदिरा गांधी और बंग बंधु मुजीबुर रहमान को एक साथ देखा था! 182

भारत के बौद्धिक अपराधी! 184

वैलेंटाइन डे विरोध के पीछे है : वर्ण व्यवस्था का अर्थशास्त्र! 185

वेलेन्टाइन युवा-युवतियों के खिलाफ यम की भूमिका में अवतरित : राष्ट्रवादी हिन्दू—185, वर्ण-व्यवस्था के अक्षत रखने के लिए : कर्म और वर्ण शुद्धता का सिद्धान्त—186, क्योंकि वेलेन्टाइ पर्व में वर्ण-संकरता घटित करने के तथ्य हैं—187

ब्राह्मणशाही के खात्मे की दिशा में एक युगांतरकारी फैसला! 188

राम नगरी अयोध्या में भूमि घोटाला—188, तमिलनाडु में गैर-ब्राह्मण व महिला पुजारियों की नियुक्ति की घोषणा—188, गैर-ब्राह्मण और महिला पुजारियों की नियुक्ति से आहत : बहुजन बुद्धिजीवी—189, धर्म को शक्ति के स्रोत के रूप में पहचाने : डॉ. आंबेडकर—190, पौरोहित्य पर एकाधिकार ने बाह्मणों को बनाया : भूदेवता—190, पौरोहित्य के पेशे के प्रजातांत्रिकरण से ही अंत हो सकता है ब्राह्मणशाही का—191, बीडीएम ने उठाया : पौरोहित्य के पेशे में सामाजिक और लैंगिक विविधता लागू करने का मुद्दा—192

महिला मुक्ति का प्रश्न और डाइवर्सिटी आंदोलन 193

आधुनिक विश्व में महिला मुक्ति आंदोलनों की शुरुआत—193, भारत में महिला मुक्ति आन्दोलन!—194, दलित स्त्री आन्दोलन के समक्ष नयी चुनौतियाँ!—196, मानव जाति का इतिहासः वर्ग-संघर्ष का इतिहास!—197, आरक्षण में क्रियाशील : भारत में वर्ग

संघर्ष!—197, मंडल उत्तर काल में वर्ग-संघर्ष का अभीष्ट!—198, दलित-बहुजनों के लिए काल बनी : नवउदारवादी अर्थनीति!—199 गुलाम और शासक में पार्थक्य!—199, गुलामी से मुक्ति के लिए सर्वव्यापी आरक्षण के लड़ाई की जरूरत—200, वर्ग संघर्ष में हारी बाज़ी पलटने के लिए जरूरी है : शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता के प्रतिबिम्बन की लड़ाई!—201, बहुजन डाइवर्सिटी मिशन का एजेंडा—203

संविधान के उद्देश्यों की पूर्ति के क्या हों उपाय! **205**

संविधान में उल्लिखित तीन न्याय की क्यों हुई उपेक्षा?—205, संविधान को लागू करनेवाले क्यों नहीं हो सके अच्छे लोगों में शुमार!—206, प्रधानमंत्री मोदी किस श्रेणी के शासक!—207, मोदी : आरक्षण के प्रति कितने गंभीर!—207, भारत का आरक्षित वर्ग : मोदी की नज़रों में वर्ग शत्रु—208, बहुसंख्य लोगों की खुशियाँ छीनने के लिए : मोदी की रणनीति!—209, मोदी : संविधान के उद्देश्यों को व्यर्थ करनेवाले चैम्पियन शासक!—210, संविधान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जरूरी है विशेष प्रयास—210

लोकतंत्र को जिन्दा रखना है तो लागू करनी होगी : सामाजिक और लैंगिक विविधता! **213**

बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर की चेतावनी—214, हमारे महान राजनेताः लोकतंत्र-प्रेमी या लोकतंत्र-विरोधी!—214, आर्थिक-सामाजिक विषमता की उत्पत्ति के पीछे : शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता की अनदेखी—215, आजाद भारत को अपने शासकों से विविधता के सम्मान की प्रत्याशा थी—215, भारत में सामाजिक और लैंगिक विविधता का प्रतीकात्मक प्रतिबिम्बन—216, वोट खरीदने के लिए राहत और भीखनुमा घोषणाओं पर निर्भरः हमारे राजनीतिक दल—216

सावित्रीबाई फुलेः भारत की पहली अध्यापिका **218**

हमें साहब कांशीराम का शुक्रगुजार होना चाहिए—218, भारत की पहली अध्यापिका का उदय—218, फुले दंपत्ति ने खड़े किये : 18 स्कूल—219, धर्म के ठेकेदारों के निशाने पर : सावित्रीबाई फुले—220, वजूद में आया : सत्य शोधक-समाज—220

हिन्दू कौन? **222**

काबिले जश्न है पुजारियों की नियुक्ति में डाइवर्सिटी **224**

पुजारियों की नियुक्ति में आरक्षण से : बीडीएम में जश्न का

माहौल—224, दलितों का ध्यान-ज्ञान आर्थिक नहीं : सांस्कृतिक मुक्ति है—224
क्या पुरोहिती के पेशे के बंटवारे के बिना मुमकिन है समतामूलक समाज का सपना? **226**
तेज करनी होगी : इंटरव्यू बोर्डो में सामाजिक और लैंगिक विविधता लागू करवाने की लड़ाई! **227**
दुसाध की नजरों में Ranju Rahi क्यों हैं : बहुजनों की महादेवी वर्मा! **229**
कांग्रेस के घोषणा पत्र में जेंडर डाइवर्सिटी! **230**
2021 की विदाई बेला में दुसाध का संदेश आधी आबादी के लिए! **231**
हिन्दू राष्ट्र के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए : एजुकेशन डाइवर्सिटी बने विपक्ष का मुद्दा! **233**
80 बनाम 20 की लड़ाई है : यूपी विधानसभा चुनाव 2022—233, भाजपा की नई शिक्षा नीति का लक्ष्य—234, हिन्दू राष्ट्र से प्रेरित है : भाजपा की नई शिक्षा नीति—235, हिन्दू राष्ट्र के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए : एजुकेशन डाइवर्सिटी—236
सामाजिक और लैंगिक विविधता का प्रतिबिम्बन बने चुनावी मुद्दा! **237**
ग्राम चुनावों में ही गायब रहा : विषमता के खात्मे का मुद्दा—237, ऐसी असमानता और कहां!—237, लोकतंत्र पर गहराते संकट से निर्लिप्त : हमारे बुद्धिजीवी—238, विविधता का प्रतीकात्मक प्रतिबिम्बन—239, राजनीतिक दलों को बाध्य किया जाय विविधता का वादा करने के लिए—240
महिलाओं को आर्थिक रूप से पुरुषों के बराबर आने में लगेंगे 257 साल! **241**
आधी आबादी के लिए परम्परागत वादा—241, ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के आइने में : आधी आबादी—241, लैंगिक असमानता का संबंध!—243, जेंडर डाइवर्सिटी को सम्मान देने की मची होड़—243, भारत में लैंगिक असमानता खत्म करने का अनूठा एजेंडा—244
हॉलीवुड में महिला शक्ति की नई प्रतीक : जेन कैम्पियन **245**
94वें ऑस्कर के दावेदार—245, जैन कैम्पियन की फिल्म को मिले : दस नॉमिनेशन—245, जेन कैम्पियन के लिए इतिहास रचने की संभावना औरों से ज्यादा—246, ऑस्कर में पटरी पर लौटने लगी है : डाइवर्सिटी—247, भारत की उम्मीद : राइटिंग विद फायर—248
लैंगिक समानता पाने का : एक अभिनव विचार! **250**

असमानता से उदासीन : बुद्धिजीवी वर्ग—250, लैंगिक समानता के मोर्चे पर : पड़ोसी मुल्कों से भी पीछे भारत—251, आर्थिक असमानता के ख़त्म होने में लगेंगे 257 साल!—251, भारतीय महिलाओं की आर्थिक असमानता ख़त्म होने में लगेंगे : 300 साल से अधिक!—252, आर्थिक असमानता का सर्वाधिक शिकार अतिदलित, जबकि न्यूनतम शिकार अग्रसर सवर्ण समाज की महिलाएं!—253, ग्लोबल जेंडर गैप-20 21 के रिपोर्ट के आईने में : मोदी सरकार का प्रयास—254, आर्थिक भागीदारी—254, शिक्षा—255, स्वास्थ्य और पोषण—255, राजनीतिक भागीदारी—256, लैंगिक समानता पाने का अनूठा विचार!—256

अवसरों और संसाधनों पर पहला हक़ हो देश की आधी आबादी का! **259**

बढ़ती ही जा रही है डॉ. आंबेडकर की स्वीकृति—259, लोग याद नहीं करते मानव जाति की सबसे बड़ी समस्या पर बाबा साहेब की चेतावनी!—259, आर्थिक और सामाजिक विषमता के खात्मे के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा : शासकों की वर्णवादी सोच!—260, मोदी-राज में शिखर को छुईः आर्थिक और सामाजिक विषमता!—261 आर्थिक और सामाजिक विषमता की सर्वाधिक शिकार : आधी आबादी—262, अवसरों और संसाधनों के बंटवारे में लागू हो रिवर्स प्रणाली!—263, शक्ति के स्रोतों के बंटवारे में मिलेः अनग्रसर समुदायों के महिलाओं को प्राथमिकता!—264, तो इसलिए जरुरी है अवसरों और संसाधनों के बंटवारे में महिलाओं का पहला हक़!—265

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सही काट : एजुकेशन डाइवर्सिटी **267**

नई शिक्षा नीति का यह परिणाम होगा—267, पेश करना होगा वैकल्पिक शिक्षा नीति—268, नई शिक्षा नीति से होगा : बहुजनों का सर्वनाश—269, नई शिक्षा नति से आकार लेगा : वैदिक युग जैसा समाज—270, नई शिक्षा नीति की सर्वोत्तम काट : एजुकेशन डाइवर्सिटी—270

विज्ञापन निधि में डाइवर्सिटी के बिना : मुमकिन नहीं है बहुजन मीडिया का खड़ा होना! **272**

मीडिया के लिए बुद्धिजीवियों के निशाने पर : बहुजन नेतृत्व—272, विज्ञापन निधि में हिस्सेदारी से आंखें मूदें : बहुजन मीडिया स्पेशलिस्ट—273, विज्ञापन निधि में : डायवर्सिटी जरूरी—273, कुकुरमुत्ते की तरह इसलिए रोज-रोज उगते जा रहे हैं : अखबार और

चैनल—274, मीडिया का अर्थशास्त्र—275, ईगो हर्ट होने के डर से बीडीएम के एजेण्डे की अनदेखी करते : बहुजन बुद्धिजीवी और संगठन—276

आजादी के 75 वर्षों बाद भी अपरकास्ट का वर्चस्व क्यों नहीं टूटा? **278**

आज भी अटूट है : सवर्ण वर्चस्व—278, अपर कास्ट से ये चीजें छीननी जरूरी थी—278, बहुजनों को मुक्त करने के लिए : जरूरी थे ये काम!—279, शासकों द्वारा आर्थिक और सामाजिक विषमता की अनदेखी : सवर्ण वर्चस्व का खास कारण—280, सवर्ण वर्चस्व से उदासीन : बहुजन—281, सवर्ण वर्चस्व के ध्वंस का सर्वोत्तम उपाय : शक्ति के स्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता का प्रतिबिम्बन—282

मनुवाद पर चौतरफे प्रहार का सही समय **283**

अपने स्वर्णिम दौर में है : हिन्दू धर्म—283, राजेन्द्र पाल गौतम के लिए उमड़ा : सहानुभूति का सैलाब—283, मनुवाद बनाम आंबेडकरवाद की लड़ाई—284, वर्ण-व्यवस्था : एक आरक्षण व्यवस्था!—285, गौतम बुद्ध के प्रयासों से टूटा : हिन्दू धर्म का अर्थशास्त्र—285 पूना पैक्ट के जमाने से ही आरक्षण के खात्मे की ताक में : आरएसएस—286

असमानता ख़त्म करने का एक अनूठा विचार! **288**

ग्लोबल हंगर इंडेक्स से फिर शर्मसार हुआ : भारत—288, मोदी राज में हर रिपोर्ट में उभरी है : भारत की बद से बदतर तस्वीर—289, सबसे चिन्ताजनक स्थिति : लैंगिक समानता के मोर्चे पर—289, आर्थिक विषमता से पार पाने के लिए : क्रांतिकारी उपाय की जरूरत—291, आधी आबादी की आर्थिक समानता के जरिये : शुरू हो विषमता के खिलाफ जंग—291, सबसे जरूरी है सवर्ण पुरुषों को उनके संख्यानुपात पर रोकना!—292, शक्ति के स्रोतों पर पहला हक आधी आबादी का बने : सबसे बड़ा मुद्दा—292, सफल बनाना होगा इस अभिनव परिकल्पना को—293

सवर्ण आरक्षण पर आए फैसले के पीछे है : वर्ग संघर्ष में क्रियाशील सोच! **295**

मानव जाति की हर गतिविधियां : वर्ग संघर्ष से प्रेरित—295, सिर्फ अपने एकाधिकार का आकांक्षी : सवर्ण वर्ग—296, वर्ग संघर्ष में लिप्त : साधु-संत—296, स्व-वर्गीय हित में जजों ने घोटा है : सामाजिक न्याय का गला!—297, यूनिवर्सल रिजर्वेशन फ्रन्ट बनायें

: बहुजन बुद्धिजीवी—298
दुनिया के सबसे बड़े अपात्र बने : आरक्षण के पात्र! **299**
सुप्रीम कोर्ट ने लगाया : सवर्ण आरक्षण पर मोहर—299, हजारों साल से आरक्षण का देश रहा है : भारतवर्ष—299, हिन्दू आरक्षण में सारा कुछ आरक्षित रहा : सिर्फ सवर्णों के लिए—300, आरक्षण को कागजों की शोभा बनाये : प्रधानमंत्री मोदी—301, सरकारी नौकरियों पर : सवर्ण वर्चस्व—302, बहुजनों को निमग्न होना होगा : तानाशाही सत्ता के लिए—302
संविधान बचाने का सर्वोत्तम उपाय! **304**
अपने उद्देश्यों को पूरा करने में व्यर्थ हो चुका है : संविधान—304, अच्छे लोगों में शुमार किये जाने लायक नहीं रहे : संविधान लागू करने वाले लोग—304, ढूढ़ना पड़ेगा : संविधान के उद्देश्यों की पूर्ति लायक निर्भूल एजेण्डा—305, संविधान बचाने की प्रभावी लड़ाई : आधी आबाद को प्राथमिकता देकर ही लड़ी जा सकती है—307, संविधान बचाने का सर्वोत्तम उपाय—308
लैंगिक असमानता से बेखबर : भारत के राजनीतिक दल! **309**
आधी आबादी की कारुणिक स्थिति—309, लैंगिक असमानता की जड़ : शक्ति के स्रोतों में जेंडर डाइवर्सिट की अनदेखी—310, आधी आबादी की चमत्कारिक उन्नति का एजेंडा!—311
लैंगिक असमानता से पार पाने का अभिनव विचार! **313**
विषमता से सर्वाधिक पीड़ित : आधी आबादी—313, महिलाओं में सर्वाधिक पीड़ित : अति दलित समुदाय की महिलायें—314
सामाजिक न्याय का सर्वोत्तम एजेंडा! **315**
धर्म का अर्थशास्त्र समझने में व्यर्थ : भारतीय बुद्धिजीवी! **317**
शाबाश निर्देश! आप बहुत सही मैसेज देने की शुरुआत की हो **318**
क्या नवनिर्वाचित राष्ट्रपति खुद को अपवाद साबित करेंगी! **319**
आर्थिक असमानता से कैसे मिले निजात! **321**
और चौड़ी हुई : असमानता की खाई—321, वर्तमान सरकार की नीतियों से ऐसा होना ही था—322, नॉर्डिक इकॉनोमिक मॉडल का सुझाव—323, नॉर्डिक इकॉनोमिल मॉडल की दिक्कतें—324, नॉर्डिक इकॉनोमिक मॉडल से बेहतर : अमेरिका का डाइवर्सिटी मॉडल—325
बाबा साहेब के सपनों के भारत निर्माण के लिए : विश्व इतिहास में सामाजिक परिवर्तन की सबसे बड़ी परियोजना! **328**
सौ रोगों की एक दवा : डाइवर्सिटी!—328, कैसे लागू होगा बीडीएम

Continue Your Reading Journey

This preview has ended. Access the complete library and support our mission.

Join Our Inclusive Reading Community

✓ We champion diverse voices and perspectives

✓ Your support helps amplify underrepresented authors

✓ We provide free access to educational institutions

✓ Building bridges through shared stories

✓ Creating space for all narratives to be heard

Support Our Mission

Your donation enables us to:

• Curate diverse book collections

• Support authors from marginalized communities

• Provide free resources to educators

• Maintain our accessible digital library

Visit: www.diversitymission.in

Sign the diversity pledge • Make a donation • Download full library